एमबीए और बीबीए कार्यकर्मों के नव प्रवेशित छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन

कार्यक्रम का विषय थानवोदित प्रबंधकों से कॉर्पोरेट अपेक्षाएं था

गजकेसरी युग

मोदीनगर (ओमप्रकाश शर्मा)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, में प्रबंधन अध्ययन संकाय ने गुरुवार को एमबीए और बीबीए कार्यकर्मों के नव प्रवेशित छात्रों के लिए एक इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया।

कार्यक्रम का विषय थानवोदित प्रबंधकों से कॉर्पोरेट अपेक्षाएं रहा। उद्घाटन सत्र की शुरूआत सरस्वती वंदना और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें डॉ एस विश्वनाथन निदेशक (एसआरएम आईएसटी), प्रो एन एम मिश्रा (डीन एफएमएस, एसआरएम आईएसटी), प्रो डॉ आर के खंडाल और डॉ एस के सचदेवा शामिल रहे। सभी प्रतिनिधियों का गुलदस्ता व शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। एफएमएस के डीन प्रोफेसर डॉ एन एम मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया और मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ आर के खंडल का परिचय दिया, जो वर्तमान में इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड में अध्यक्ष आर एंड डी और बिजनेस डेवलपमेंट हैं। वे यूपी तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ के पूर्व कुलपति भी हैं।। उन्होंने डॉ एस के सचदेवा का भी परिचय कराया, जिन्हें भारत और विदेशों में शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में समृद्ध अनुभव है।

इसके बाद निदेशक प्रोफेसर डॉ एस विश्वनाथन का उद्घाटन भाषण हुआ। उन्होंने कई परिसरों में फैले एसआरएम आईएसटी और संबद्ध संस्थानों का अवलोकन दिया। उन्होंने आगे उल्लेखनीय है कि एसआरएम आईएसटी को एनएएसी द्वारा एनआईआरएफ को 19 वां स्थान दिया गया था। उन्होंने परिसर में विभिन्न कार्यकर्मों के प्रबंधन में छात्रों की भूमिका की सराहना की।उन्होंने एसआरएम समूह के विभिन्न परिसरों के विकास में एसआरएम आईएसटी के माननीय कुलाधिपति डॉ. टी.आर.परिवेंद्र की भूमिका के बारे में भी बताया। डॉ विश्वनाथन ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा के बारे में भी बताया और कहा कि कोविड महामारी के दौरान एसआरएम आईएसटी परिसर को कोविड रोगियों के इलाज के लिए उपलब्ध कराया गया था।

इसके उपरांत डॉ एस के सचदेवा ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रबंधक की मुख्य भूमिका निर्णय लेने की होती है और इसलिए उन्हें सूचना पर आधारित निर्णय लेना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि एक प्रबंधक और नेता के बीच अंतर है ।उन्होंने कहा

कि सीखना जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है।उन्होंने कहा कि विदेश में काम करते हुए उन्होंने विभिन्न देशों के लोगों की क्लास कल्चरल टीमों में काम करने के महत्व को महसूस किया।

मुख्य अतिथि प्रो डॉ आर के खंडाल ने अपना संबोधन दिया।उन्होंने छात्रों से अपनी संस्कृति और विरासत के मूल्यों और विश्वासों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने भगवत गीता जैसे महाकाव्यों और उनसे सीखे जा सकने वाले प्रबंधकीय पाठों के विभिन्न उदाहरणों का हवाला दिया। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को अहंकार और अभिमान के बीच अंतर करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को कभी भी अहंकार का विकास नहीं करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को कुछ प्रेरक वीडियो भी दिखाए। उन्होंने आगे छात्रों को कुछ भारतीय खिलाडियों की हाल की उपलब्धियों के बारे में बताया और कहा कि छात्रों को खुद को अपडेट रखना चाहिए और अपने देशवासियों की उपलब्धियों पर भी गर्व करना चाहिए। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में भारतीय संस्कृति और भाषाओं की विविधता के बारे में भी बताया।

अंत में उन्होंने योग के स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया और छात्रों से योग और व्यायाम करने का आग्रह किया। डॉ आंचल मिश्रा ने कार्यक्रम का संचालन कर धन्यवाद ज्ञापन किया। दूसरे सत्र में श्री हर्षित बंसल जो एसआरएम आईएसटी के प्रबंधन कार्यक्रम के पूर्व छात्र और एक सफल उद्यमी है ।उन्होंने एसआरएम आईएसटी में अपने अनुभव और फिर रेनानी ब्रांड के तहत एक आभूषण डिजाइन व्यवसाय स्थापित करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने सबसे अधिक हीरे वाली अंगूठी डिजाइन करने में अपनी फर्म की उपलब्धि के बारे में बताया।इस उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने मान्यता दी है ।श्री बंसल के अनुसार नवोदित प्रबंधकों को रोजगार पाने के लिए बातचीत, टीम निर्माण, संचार और विश्लेषण जैसे कौशलों पर ध्यान देना चाहिए।उन्होंने छात्रों से दुनिया की यात्रा और अन्वेषण करने का भी आग्रह किया।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में नव प्रवेशित छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम किया आयोजित

वेलकम इंडिया

मोदीनगर (अनिल वशिष्ठ)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मोदीनगर में प्रबंधन अध्ययन संकाय ने गुरुवार को एमबीए और बीबीए कार्यक्रमों के नव प्रवेशित छात्रों के लिए एक इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया। कार्यक्रम का विषय था ₹नवोदित प्रबंधकों से कॉर्पोरेट अपेक्षाएं₹ उद्घाटन सत्र की शुरूआत सरस्वती वंदना और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें डॉ एस विश्वनाथन निदेशक (एसआरएम आईएसटी), प्रो एन एम मिश्रा (डीन एफएमएस, एसआरएम आईएसटी), प्रो डॉ आर के खंडाल और डॉ एस के सचदेवा शामिल थे। सभी प्रतिनिधियों का गुलदस्ता व शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। एफएमएस के डीन प्रोफेसर डॉ एन एम मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया और मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ आर के खंडल का परिचय दिया, जो वर्तमान में इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड में अध्यक्ष आर एंड डी और बिजनेस डेवलपमेंट हैं। वे यूपी तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ के पूर्व कुलपति भी हैं। । उन्होंने डॉ एस के सचदेवा का भी परिचय कराया, जिन्हें भारत और विदेशों में शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में समृद्ध अनुभव है।

इसके बाद निदेशक प्रोफेसर डॉ एस विश्वनाथन का उद्घाटन भाषण हुआ। उन्होंने कई परिसरों में फैले एसआरएम आईएसटी और संबद्ध संस्थानों का अवलोकन दिया। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि एसआरएम आईएसटी को एनएएसी द्वारा अ++, एनआईआरएफ द्वारा 19 स्थान दिया गया था। उन्होंने परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों के प्रबंधन में छात्रों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने एसआरएम समूह के विभिन्न परिसरों के विकास में एसआरएम आईएसटी के माननीय कुलाधिपति डॉ. टी.आर.परिवेंद्र की भूमिका के बारे में भी बताया। डॉ विश्वनाथन ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा के बारे में भी बताया और कहा कि कोविड महामारी के दौरान एसआरएम आईएसटी परिसर को कोविड रोगियों के इलाज के लिए उपलब्ध कराया गया था। इसके बाद डॉ एस के सचदेवा ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रबंधक की मुख्य भूमिका निर्णय लेने की होती है और इसलिए उन्हें सूचना पर आधारित निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि एक प्रबंधक और नेता के बीच अंतर है । उन्होंने कहा कि सीखना जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि विदेश में काम करते हुए उन्होंने विभिन्न देशों के लोगों की क्रॉस कल्चरल टीमों में काम करने के महत्व को महसूस किया। मुख्य अतिथि प्रो डॉ आर के खंडाल ने अपना संबोधन दिया। उन्होंने छात्रों से अपनी संस्कृति और विरासत के मूल्यों और विश्वासों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने भगवत गीता जैसे महाकाव्यों और उनसे सीखे जा सकने वाले प्रबंधकीय पाठों के विभिन्न उदाहरणों का हवाला दिया। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को ₹अहंकार₹ और ₹अभिमान₹ के बीच अंतर करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को कभी भी अहंकार का विकास नहीं करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को कुछ प्रेरक वीडियो भी दिखाए। उन्होंने आगे छात्रों को कुछ भारतीय खिलाड़ियों की हाल की उपलब्धियों के बारे में बताया और कहा कि छात्रों को खुद को अपडेट रखना चाहिए और अपने देशवासियों की उपलब्धियों पर भी गर्व करना चाहिए। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में भारतीय संस्कृति और भाषाओं की विविधता के बारे में भी बताया। अंत में उन्होंने योग के स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया और छात्रों से योग और व्यायाम करने का आग्रह किया।

डॉ आंचल मिश्रा ने कार्यक्रम का संचालन कर धन्यवाद ज्ञापन किया। दूसरे सत्र में श्री हर्षित बंसल जो एसआरएम आईएसटी के प्रबंधन कार्यक्रम के पूर्व छात्र और एक सफल उद्यमी है । उन्होंने एसआरएम आईएसटी में अपने अनुभव और फिर रेनानी ब्रांड के तहत एक आभूषण डिजाइन व्यवसाय स्थापित करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने सबसे अधिक हीरे वाली अंगूठी डिजाइन करने में अपनी फर्म की उपलब्धि के बारे में बताया। इस उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने मान्यता दी है ।

एसआरएम में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का हुआ आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मोदीनगर (अनवर खान)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रबंधन अध्ययन संकाय ने गुरुवार को एमबीए और बीबीए कार्यक्रमों के नव प्रवेशित छात्रों के लिए नवोदित प्रबंधकों से कॉर्पोरेट अपेक्षाएं नामक विषय पर एक इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजित किया।

संस्थान के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की शुरूआत इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड के अध्यक्ष आरएंडडी और बिजनेस डेवलपमेंट? अधिकारी प्रो डॉ आरके खंडाल, संस्थान के निदेशक डॉ एस विश्वनाथन, डीन एफएमएस प्रो एनएम मिश्रा और डॉ एसके सचदेवा द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रो डॉ आरके खांडाल ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभवों

को साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के उपरांत देश की सेवा करने के लिए भी प्रेरित किया। वही निदेशक डॉ एस विश्वनाथन ने एसआरएम के इतिहास के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एसआरएम जहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने में अग्रणीय है वहीं समाजसेवा के कार्यों को भी अंजाम देता है। डॉ एसके सचदेवा ने कहा कि सीखना जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है। इसलिए शिक्षा के साथ ही सूचना पर आधारित तथ्य भी अवश्य सीखने चाहिए। दूसरे सत्र को एसआरएम के प्रबंधन के पूर्व छात्र तथा वर्तमान में एक सफल उद्योगपति के रूप में स्थापित हर्षित बंसल ने संबोधित किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा से लेकर एसआरएम मैं प्राप्त की गई शिक्षा तक का सफर और उसके बाद अपनी आभूषण डिजाइन करने वाली फर्म रेनानी की सफलता के बारे में बताया। हर्षित बंसल ने कहा कि नवोदित प्रबंधकों को रोजगार पाने के लिए बातचीत, टीम निर्माण, संचार और विश्लेषण जैसे कौशलों पर ध्यान देना चाहिए। संचालन डॉक्टर आंचल मिश्रा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के तमाम प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाओं के अलावा सैकड़ों नव प्रवेशित विद्यार्थी मौजूद थे।